

● ध्यान...

हनुमान चालीसा का पाठ...



हनुमान चालीसा का पाठ कलिकाल में बेहद कल्याणकारी माना गया है। इसका पाठ बेहद सरल होता है। कहा जाता है कि इसकी हर चौपाई में असीम शक्ति छिपी है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करता है उसकी हर मनोकामना हनुमान जी पूरी करते हैं। शास्त्रों के मुताबिक जब कभी भी आपको आर्थिक संकट का सामना करना पड़े तो मन में हनुमान जी का ध्यान करके हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दीजिए। आपको काफी कम समय में सुखद परिणाम दिखना शुरू हो जाएगा। ऐसा करने से जल्द ही आर्थिक चिंताएं दूर हो जाएगी। अगर यह क्रम मंगलवार से शुरू करें तो बेहतर रहेगा और ध्यान रहें इसका पाठ किसी भी दिन छोड़ें नहीं। यह भी कहा जाता है कि जो व्यक्ति नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करता है उसके आस-पास नकारात्मक शक्तियां नहीं आती हैं और वह आत्म विश्वास और ऊर्जा से परिपूर्ण हो जाता है। हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करने वाले व्यक्ति का मनोबल बढ़ जाता है और उसे किसी भी



तरह का भय नहीं रहता है। हनुमान चालीसा के पाठ से मानसिक शांति मिलती है। जो लोग अक्सर बीमार रहते हैं या काफी उपचार के बाद भी जिनका रोग दूर नहीं होता उन्हें नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। जानकारों के मुताबिक हनुमान जयंती के दिन हनुमान चालीसा का पांच या 11 बार पाठ से आपको विशेष फल प्राप्त होता है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। हनुमान जी की कृपा पाने के लिए छात्रों को नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। छात्र जीवन में चालीसा का पाठ करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है और शिक्षा के क्षेत्र में कामयाबी मिलती है।

● जरूर करें...

हनुमान जयंती



हनुमान जयंती पर जो भक्त विधिवत और श्रद्धापूर्वक पूजा-पाठ करता है उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। ऐसी मान्यता है कि बड़े से बड़ा कष्ट भी मात्र मिनटों में दूर हो जाता है अगर हनुमानजी का नाम भक्तिभाव से लिया जाए। राम भक्त हनुमान भगवान शिव के 11वें रुद्रावतार की विधिवत उपासना करने से सभी तरह की बाधाओं का नाश होता है।

शास्त्रों में जिन सात चिरंजीवियों का जिक्र आता है उनमें अश्वत्थामा, बलि, व्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य और भगवान परशुराम हैं। माना जाता है कि ये अमर आत्माएं हैं, जो आज भी पृथ्वी पर हमारे बीच मौजूद हैं।

कलयुग में इन सात चिरंजीवियों में हनुमान जी की साधना सबसे अधिक की जाती है। देश का शायद ही ऐसा कोई कोना हो जहां पर श्री हनुमान जी की पूजा न की जाती हो। सभी देवताओं में श्री हनुमान जी जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता जो हैं। जिनका महज नाम लेते बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं, बड़ी से बड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

हनुमान जयंती पूजा विधि

▶▶ हनुमत साधना से किसी भी प्रकार के अनिष्ट ग्रहों के प्रकोप से मुक्ति मिल जाती है। हनुमान जी की शरण में आने वाले साधक का शनि बाल भी बांका नहीं कर पाता। ऐसे में हनुमान जयंती के दिन बजरंग बली की साधना करने से तमाम तरह के रोग, भय और संकट दूर होते हैं। तथा श्री हनुमान जी की कृपा से आने वाले पूरे साल सुख और समृद्धि की प्राप्ति होगी।

▶▶ हनुमान जी को चमेली का तेल और सिंदूर बेहद प्रिय है, इसलिए हनुमान जयंती के दिन पवनसुत हनुमान जी को चमेली का तेल और सिंदूर चढ़ाना कभी न भूलें।

▶▶ यदि आप लंबे समय से किसी परेशानी से घिरे हुए हैं और दुखों ने आपको घेर रखा है तो आप हनुमान जयंती के दिन स्नान-ध्यान के पश्चात स्वच्छ कपड़े धारण करके किसी मंदिर में या घर पर बजरंग बली की मूर्ति या चित्र के सामने सिंदूरी चोला चढ़ाएं।

▶▶ अगर आपके काम में लगातार बाधाएं आ रही हैं और तमाम कोशिशों के बावजूद काम नहीं बन रहा है, तो हनुमान जयंती के दिन श्री बजरंगबली को इत्र और गुलाब की माला चढ़ाएं।

● !!!!...

मिलेगी मनचाही नौकरी...



नवरात्र के अंतिम दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि करने के बाद सफेद रंग का सूती आसन बिछाकर उस पर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठ जाएं। अब अपने ठीक सामने पीला कपड़ा बिछाकर उस पर 108 मनकों वाली स्फटिक की माला रख दें तथा इस पर केसर व इत्र छिड़क कर माला का पूजन करें। माला को धूप, दीप और अगरबत्ती दिखाकर ऊं ह्रीं वाग्वादिनी भगवती मम कार्य सिद्धि कुरु कुरु फट् स्वाहा मंत्र का 31 बार जाप करें। इस प्रकार लगातार 11 दिन तक करने से वह माला सिद्ध हो जाएगी। इसके बाद आपको जब भी किसी इंटरव्यू में जाना हो या किसी से मिलने के जाना हो तो इस माला को पहन कर जाएं। ऐसे करने से शीघ्र ही इंटरव्यू तथा अन्य कार्यों में सफलता मिलेगी। इसके अलावा यदि पति-पत्नी के बीच या घर-परिवार में संबंध अच्छे न हो तो नवरात्र के अंतिम दिन स्नान आदि कर नीचे दिए गए हुए मंत्र को पढ़ते हुए 108 बार अग्नि में घी से आहुतियां दें। इससे यह मंत्र सिद्ध हो जाएगा। इसके बाद रोजाना नित्य सुबह उठकर पूजा के समय इस मंत्र का 21 बार जाप अवश्य करें।

हनुमान जयंती पर बजरंग बली की विधिवत पूजा पाठ करने से शत्रु पर विजय प्राप्त होती है और मनोकामना की पूर्ति होती है।

हनुमान जयंती 19 अप्रैल, शुक्रवार को है।

हनुमान चालीसा की तरह ही श्री बजरंग बाण भी एक सिद्ध स्तोत्र है। इस सिद्ध शक्तिशाली बाण को विधि पूर्वक प्रयोग करने से साधक के समस्त कष्टों का निवारण हो जाता है...

हनुमान जयंती पर बजरंग बाण...

संकट मोचन, अंजनी सुत, पवन पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। हनुमान जयंती पर बजरंग बली की विधिवत पूजा पाठ करने से शत्रु पर विजय प्राप्त होती है और मनोकामना की पूर्ति होती है। हनुमान जयंती 19 अप्रैल, शुक्रवार को है।

हनुमान चालीसा की तरह ही श्री बजरंग बाण भी एक सिद्ध स्तोत्र है। इस सिद्ध शक्तिशाली बाण को विधि पूर्वक प्रयोग करने से साधक के समस्त कष्टों का निवारण हो जाता है। इस बाण की सिद्धि करने से साधक के शरीर में हनुमान की शक्ति प्रवेश कर जाती है। क्रिया एक ही है कि अपने सामने हनुमान जी का चित्र रखकर श्रद्धा और विश्वास के साथ उनका ध्यान करना चाहिए। मन की एकाग्रता का अभ्यास करते हुए मन स्वतः ही काबू में हो जाता है। हनुमान के चित्र की भली भांति पूजा अर्चना करके श्रद्धायुक्त प्रणाम कर यह स्तुति करनी चाहिए।

अतुलित बलधामं हेमशैलाभ देहं दनुजवन कृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्, सकल गुणनिधानं वानराणामधीशं, रघुपति प्रिय भक्तं वातजातं नमामि।

यह स्तुति करके साधक को चाहिए कि वह पास ही दाहिनी ओर एक आसन और बिछ दे जैसे कि शास्त्र में इसका वर्णन आता है कि जब भी बजरंग बाण का पाठ किया जाय तो स्वयं हनुमान जी आसन पर आकर विराजते हैं।

बजरंग बाण का जब भी पाठ करें, ऊनी वस्त्र के आसन पर ही बैठकर करें। जिसे हनुमान वरण

कर लेते हैं। तब साधक के अंदर एक नई स्फूर्ति एवं शक्ति का संचार हो जाता है। मन में एक नई चेतना एक नये जोश का स्फुरण होने पर वह अपने को बलवान समझने लगता है, निर्भीक व निर्भय हो जाता है तथा समस्त प्रेत बाधाएं तथा आसुरी शक्तियां ऐसे भजन को देखते ही भाग खड़ी होती हैं।

बजरंग बाण के बारे में कहा जाता है कि इसका प्रयोग हर कहीं, हर किसी को नहीं करना चाहिए। जब व्यक्ति घोर संकट में हो तब ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए वरना राम भक्त हनुमान इसके प्रयोग में हुई त्रुटि को क्षमा नहीं करते हैं। छोटी-मोटी समस्याओं में इसका प्रयोग निषेध है। इसका प्रयोग किसी अत्यंत अभिष्ट कार्य के लिए भी किया जाता है मगर इसमें सावधानी रखने की जरूरत होती है।

इन बातों की रखें सावधानी हनुमान जयंती या फिर मंगलवार या शनिवार का दिन तय करें। हनुमानजी की प्रतिमा या आकर्षक चित्र रख लें।

- ऊं हनुमते नमः का जप निरंतर करें।
- पूजा के लिए कुशासन (एक विशेष प्रकार की घास से बना आसन) प्रयोग करें।
- जप के प्रारम्भ में यह संकल्प लें कि आपका कार्य जब भी सिद्ध होगा, हनुमानजी की सेवा में नियमित कुछ अवश्य करेंगे।
- अब शुद्ध उच्चारण से हनुमान जी की छवि पर ध्यान केन्द्रित करके बजरंग बाण का जाप प्रारम्भ करें।
- श्रीराम से लेकर सिद्ध करै हनुमान तक एक बैठक में ही इसकी एक माला जप करनी है।
- पूजा के लिए स्थान का शुद्ध एवं शान्त होना जरूरी है। किसी एकान्त अथवा निर्जन स्थल में स्थित हनुमानजी के मन्दिर में प्रयोग करें।

● दीपदान...

हनुमान जी की पूजा में दीपदान का खास महत्व होता है। पांच अनाजों (गेहूं, चावल, मूंग, उड़द और काले तिल) को पूजा से पहले एक-एक मुट्ठी मात्रा में लेकर शुद्ध गंगाजल में भिगो दें। अनुष्ठान वाले दिन इन अनाजों को पीसकर इस आटे से दीया बनाएं। बत्ती के लिए एक कच्चे सूत को अपनी लम्बाई के बराबर काटकर लाल रंग में रंग लें। इस धागे को पांच बार मोड़ लें। इस प्रकार के धागे की बत्ती को सुगन्धित तिल के तेल में डालकर प्रयोग करें। जब तक पूजा चलें, यह दिया जलता रहना चाहिए। गुगल व धूप की विशेष व्यवस्था रखें।

